

चंद्रातप पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा का प्रकाश, चाँदनी 2. चँदोवा, वितान।

चंद्रात्मज पुं. (तत्.) चंद्रमा का पुत्र बुध (ग्रह)।

चंद्रानन पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा के समान सुंदर मुख 2. चंद्रमा के समान सुंदर मुखवाला व्यक्ति वि. चंद्रमा के समान सुंदर मुख वाला।

चंद्रायण (चांद्रायण) पुं. (तत्.) धर्मशास्त्रीय प्रायश्चित्त विधि वाला एक व्रत जिसमें कृष्ण पक्ष में प्रतिदिन आहार में एक ग्रास घटाना और शुक्ल पक्ष में बढ़ाना होता है तथा वह एक मास में पूरा होता है, इसमें चंद्रदर्शन के उपरांत भोजन का विधान होता है।

चंद्रायतन पुं. (तत्.) 1. चंद्रशाला 2. घर के ऊपर की अटारी जिसमें बैठकर चंद्रदर्शन का आनंद लिया जाता है।

चंद्रार्ध पुं. (तत्.) चंद्रमा का आधा भाग, अर्ध चंद्र जैसे- चंद्रार्ध चूड़ामणि शिव।

चंद्रालोक पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा की चाँदनी या प्रकाश 2. संस्कृत काव्य शास्त्र का जयदेव कृत एक ग्रंथ।

चंद्रिका स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा का प्रकाश, चाँदनी, ज्योत्स्ना 2. मोर के पंख का वह अर्धचंद्राकार चिह्न जो सुनहरे मंडल से घिरा होता है 3. इलायची 4. चाँद नाम की मछली 2. चंद्रभागा नदी 6. कनफोड़ा घास 7. जूही या चमेली।

चंद्रिकातप पुं. (तत्.) 1. चाँदनी की शीतलता, चाँदनी 2. चंद्रमा की चमक या प्रकाश।

चंद्रिकांबुज पुं. (तत्.) 1. चाँदनी में खिलने वाला श्वेत कुमुद, नलिनी, कमलिनी।

चंद्रिकाभिसारिका स्त्री. (तत्.) 1. शुक्लाभिसारिका 2. वह नायिका जो चाँदनी रात में प्रिय से मिलन और अभिसार के लिए संकेत-स्थल की ओर निकली हो।

चंद्रिमा स्त्री. (तत्.) चाँदनी, चंद्र का प्रकाश।

चंद्रिल/चंडिल पुं. (तत्.) 1. शिव 2. नाई 3. बथुए का साग वि. चंद्र की आभा या चंद्रमा से युक्त।

चंद्रोदय पुं. (तत्.) चंद्रमा का उदित होना या निकलना 2. आयुर्वेद की एक रसौषध (यह गंधक, पारे और सोने को भस्म करके बनाया जाता है, इसे शक्ति बढ़ाने के लिए मरणासन्न व्यक्ति को भी दिया जाता है) 3. चंदोवा 4. वितान।

चंद्रोपराग पुं. (तत्.) चंद्रग्रहण।

चंद्रोपल पुं. (तत्.) चंद्रकांत मणि।

चंप पुं. (तद्.) 1. चंपा 2. कचनार, कोबिदार वृक्ष।

चंपई वि. (देश.) चंपा के फूल के रंग का।

चंपक पुं. (तत्.) चंपा।

चंपकमाला स्त्री. (तत्.) 1. चंपा के फूलों की माला 2. एक वर्णवृत्त।

चंपकारण्य पुं. (तत्.) चंपक वन, आधुनिक चंपारण।

चंपकावती स्त्री. (तत्.) चंपापुरी।

चंपत वि. (देश.) गायब हो जाना, चले जाना (चलता) मुहा. चंपत हो जाना-गायब हो जाना उदा. चोर पर्स लेकर चंपत हो गया।

चंपा पुं. (तत्.) एक मझोले कद के फूल का पौधा जिसके हलके पीले रंग के फूल बहुत तीव्र सुगंध वाले होते हैं, इन फूलों से भौरे दूर रहते हैं स्त्री. (तत्.) दे. चंपापुरी।

चंपाकली स्त्री. (तद्.) रेशम के धागे में गूँथा गया, चंपा की कली के आकार के सोने के काम से युक्त दानों वाला गहना जिसे महिलाएँ गले में पहनती हैं।

चंपानेर पुं. (देश.) एक मध्यकालीन नगर जो मुंबई के निकट स्थित है।

चंपापुरी स्त्री. (तत्.) अंगदेश के राजा कर्ण की राजधानी कर्णपुरी जो बिहार में भागलपुर के पास स्थित है।

चंपारण्य पुं. (तत्.) प्राचीन भारत का घने वनों वाला एक प्रदेश, संभवतः वर्तमान चंपारन।

चंपारन पुं. (तद्.) बिहार प्रांत का एक जिला।